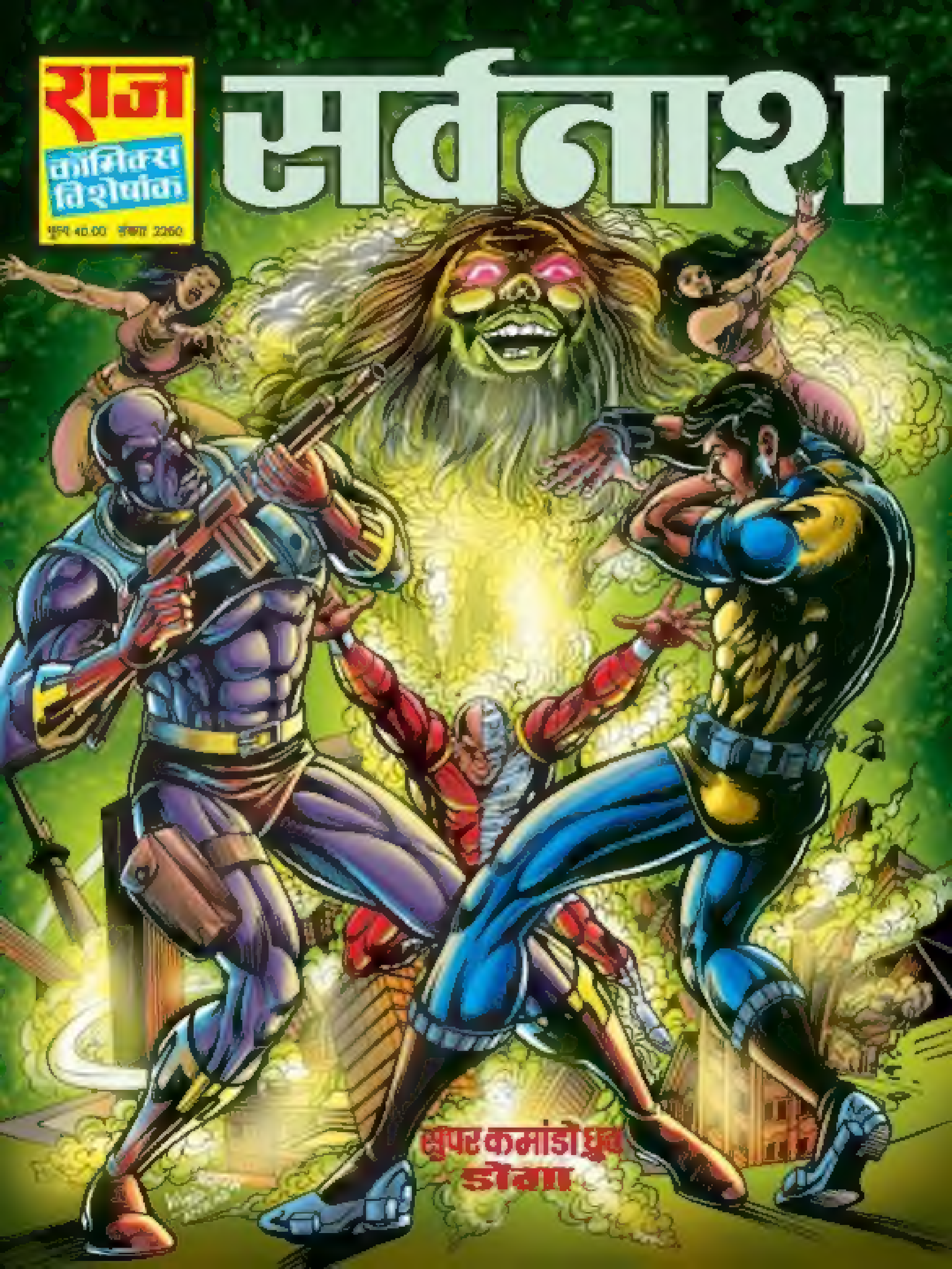

राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 40.00 संख्या 2260
सर्वनाश
सुपर कमांडो ध्रुव
डोगा

और अब आज की सबसे बड़ी खबर! हमारे पास अभी-अभी खबर आई है कि कुख्यात माफिया सरगना डॉन अब्बू सलीम को सफलतापूर्वक पुर्तगाल से भारत ले आया गया है! अपने दर्शकों को हम याद दिलाना चाहते हैं कि इस कुख्यात डॉन की तलाश भारत सरकार को 13 सितंबर से थी, जब तीन मेट्रोज़ मुंबई, राजनगर और दिल्ली में छः बम धमाके हुए थे जिसमें पन्द्रह लोगों की जानें गई थीं और एक सौ ग्यारह घायल हुए थे!
जांच से पता चला था कि इन विस्फोटों के पीछे अब्बू सलीम का हाथ है जो विस्फोटों के तुरंत बाद पुर्तगाल भाग गया था! वहाँ पर इसने अपने आपको जानबूझकर झूठे पासपोर्ट के केस में फंसवाया ताकि वह पुर्तगाल की जेल में बंद हो जाए और हिन्दुस्तान की सरकार उसको वापस हिन्दुस्तान न ला पाए!
पर आज उसकी उम्मीदों पर पानी फिर चुका है और भारत-पुर्तगाल में प्रत्यर्पण संधि न होने के बावजूद भी भारत सरकार उसको वापस लाने में सफल हो गई है! पर बात यहीं पर खत्म नहीं होती है! एयरपोर्ट पर उतरते ही सलीम ने भारत सरकार को एक नई चेतावनी दे डाली है! जब उससे पूछा गया कि अब वह क्या करेगा, तब उसने एक ही वाक्य बोला... मुझे बंद करोगे तो होगा...
संजय गुप्ता पेश करते हैं!
NEWS
NEWS FLASH
संसद की कार्यवाही रुकी
28.03.07
18:31
SONY
हम इसी पर चर्चा जारी रखेंगे, पर एक छोटे से ब्रेक के बाद...

ब्रेक के बाद आप सभी का फिर से भारती चैनल पर स्वागत है! हम बात कर रहे हैं तीन शहरों में बम धमाकों के मुख्य आरोपी अब्बू सलीम की जिसने हिन्दुस्तान को एक बार फिर सर्वनाश की धमकी दी है!
आगे बढ़ने से पहले हम आपको ये तस्वीरें दिखाते हैं जो एक क्लोज सर्किट सर्विलेंस कैमरे से खींची गई थीं। मुंबई की ये तस्वीरें धमाके से ठीक पहले और ठीक बाद की हैं!
इससे आपको इस हमले की नृशंसता का अंदाजा हो जाएगा! हम आपको सावधान कर दें कि अब जो आप तस्वीरें देखने वाले हैं वे आपको विचलित कर सकती हैं! ये तस्वीरें मुंबई के एक निवासी श्यामसुंदर की हैं जो की ऑयल मिल का कर्मचारी था!
धड़ाम
प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इस बहादुर युवक ने एक बम को देख लिया था! और यह भी समझ लिया था वह फटने वाला है! इसने बम को उठा-कर दूर फेंकने की कोशिश की पर बम इसके हाथ में ही फट...
किर्रर्र घर्रर्र...
अब्बू सलीम! अब होगा एक बम तेरे हाथ में भी रखेगा।

अब्बू सलीम को हिन्दुस्तान लाने का अभियान पूरा तो हो गया है, पर इस पूरे अभियान की कार्यप्रणाली अपने आप में कई सवाल भी खड़े करती है!
हमको विश्वस्त सूत्रों से सूचना मिली है कि अब्बू सलीम को वापस लाने के लिए पुलिस ने एक दूसरे ढंग का सहारा लिया है!
बल्कि ये शख्स अपने आपको डॉन कहलवाना अपनी तौहीन समझता है! और वह शख्स है अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी के नाम से मशहूर... ग्रैंडमास्टर रोबो!
हाँ, ये बिल्कुल सही है कि एक माफिया डॉन को पकड़ने के लिए हिन्दुस्तानी पुलिस ने एक अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी का सहारा लिया है!
हम आपको याद दिला दें कि ये वही ग्रैंडमास्टर रोबो है जिसकी बेटी नताशा भी एक पत्रकार है और राजनगर के पुलिस कमिश्नर राजन मेहरा के बेटे सुपर कमांडो ध्रुव की नजदीकी दोस्त भी है!
और अब इस पूरे मुद्दे पर बात करने के लिए हम चलते हैं अपने सहयोगी केशव जी के पास जो इस वक्त राजनगर के पुलिस मुख्यालय में मौजूद हैं!
क्या खबर है आपके पास केशव?
अब्बू सलीम के प्रत्यार्पण से उभरे सभी सवालों के जवाब देने के लिए इस वक्त हमारे साथ मौजूद हैं...
...खुद राजनगर पुलिस कमिश्नर राजन मेहरा, जिनकी स्पेशल टीम ने अब्बू सलीम को पुर्तगाल से हिन्दुस्तान लाने का काम सफलतापूर्वक पूरा किया!
धन्यवाद!
आपका स्वागत है सर!
सबसे पहला सवाल! क्या ये सच है कि पुलिस ने इस अभियान के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी के नेटवर्क का सहारा लिया है!
'सहारा' शब्द का प्रयोग करना सही नहीं होगा!

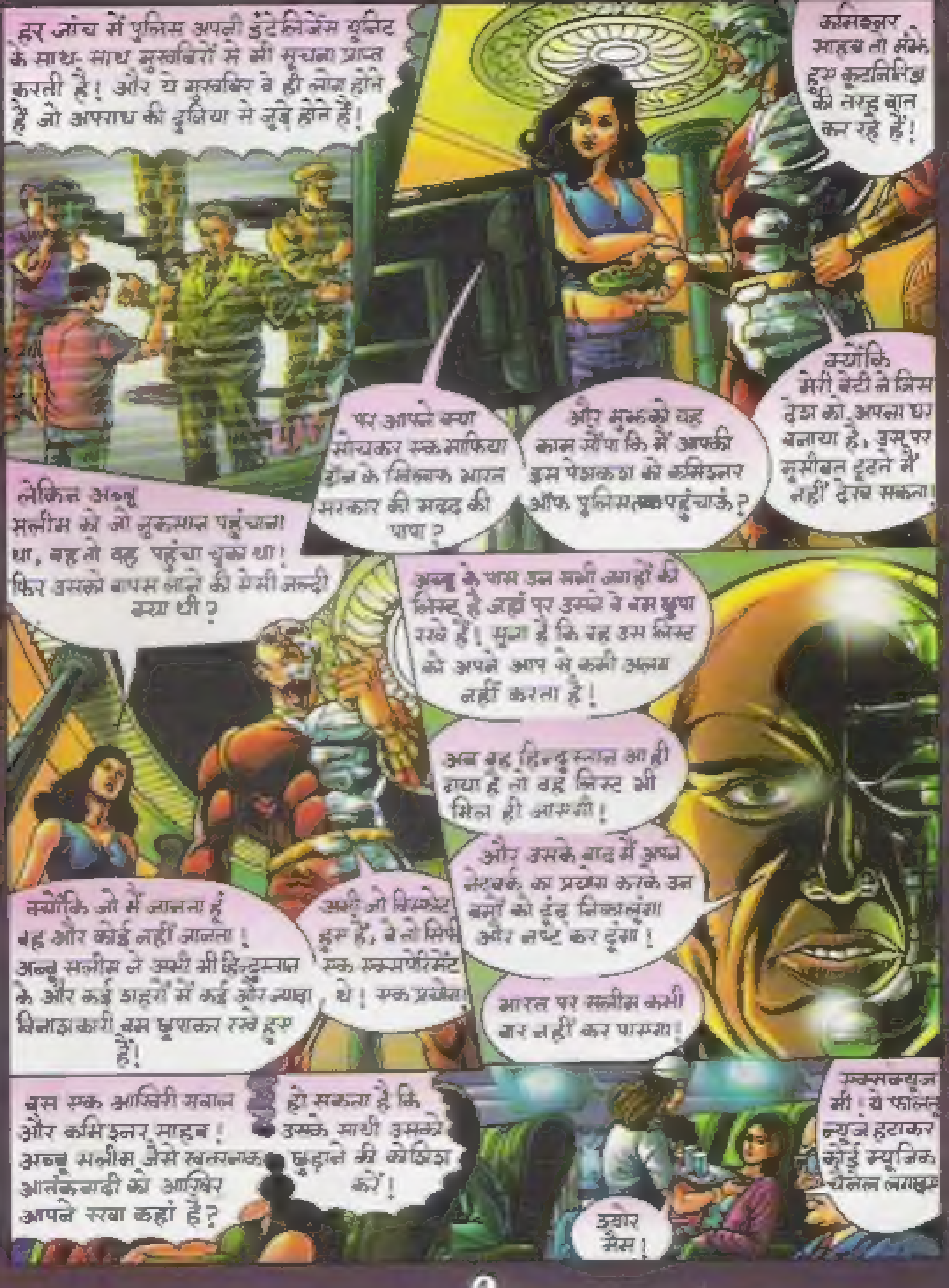
हर जांच में पुलिस अपनी इंटेलिजेंस यूनिट के साथ-साथ मुखबिरों से भी सूचना प्राप्त करती है! और ये मुखबिर वे ही लोग होते हैं जो अपराध की दुनिया से जुड़े होते हैं!
कमिश्नर साहब तो मंजे हुए कूटनीतिज्ञ की तरह बात कर रहे हैं!
पर आपने क्या सोचकर एक माफिया डॉन के खिलाफ भारत सरकार की मदद की पापा?
और मुझको यह काम सौंपा कि मैं आपकी इस पेशकश को कमिश्नर ऑफ पुलिस तक पहुंचाऊं?
क्योंकि मेरी बेटी ने जिस देश को अपना घर बनाया है, उस पर मुसीबत टूटते मैं नहीं देख सकता!
लेकिन अब्बू सलीम को जो नुकसान पहुंचाना था, वह तो वह पहुंचा चुका था! फिर उसको वापस लाने की ऐसी जल्दी क्या थी?
अब्बू के पास उन सभी जगहों की लिस्ट है जहां पर उसने वे बम छुपा रखे हैं! सुना है कि वह उस लिस्ट को अपने आप से कभी अलग नहीं करता है!
अब वह हिन्दुस्तान आ ही गया है तो वह लिस्ट भी मिल ही जाएगी!
और उसके बाद मैं अपने नेटवर्क का प्रयोग करके उन बमों को ढूंढ निकालूंगा और नष्ट कर दूंगा!
भारत पर सलीम कभी वार नहीं कर पाएगा!
क्योंकि जो मैं जानता हूं वह और कोई नहीं जानता! अब्बू सलीम ने अभी भी हिन्दुस्तान के और कई शहरों में कई और ज्यादा विनाशकारी बम छुपाकर रखे हुए हैं!
अभी जो विस्फोट हुए हैं, वे तो सिर्फ एक एक्सपेरिमेंट थे! एक प्रयोग!
बस एक आखिरी सवाल और कमिश्नर साहब! अब्बू सलीम जैसे खतरनाक आतंकवादी को आखिर आपने रखा कहां है?
हो सकता है कि उसके साथी उसको छुड़ाने की कोशिश करें!
एक्सक्यूज़ मी! ये फालतू न्यूज़ हटाकर कोई म्यूज़िक चैनल लगाइए!
श्योर मैम!

हमको भी ऐसी आशंका है! इसीलिए सलीम को हमने एक ऐसे गुप्त स्थान पर रखा है, जहां पर उसको प्रधानमंत्री जैसी सिक्योरिटी दी गई है! अब सलीम पूरी तरह से सुरक्षित है!
सर! कुछ नहीं मिला!
क्या नहीं मिला?
सलीम के पास से ऐसी कोई लिस्ट नहीं मिली है! मुझे तो लगता है कि और बम हिन्दुस्तान में छुपे होने की खबर सिर्फ एक अफवाह है!
हो सकता है! पर हम कोई चांस नहीं ले सकते! उसकी जुबान खुलवाओ!
चाहे तुम्हें कुछ भी करना पड़े!
भारती न्यूज चैनेल की तरफ से आपका धन्यवाद कमिश्नर राजन!
कहते हैं कि पुलिस के पास जुबान खुलवाने के कई तरीके होते हैं! और इनमें से सबसे खतरनाक तरीका होता है-
थर्ड डिग्री-
आऽऽऽह! मैं तुमको बता चुका हूं न तो मैंने धमाके किए और न ही कहीं पर कोई बम छुपाया है!
लगता है कि तेरी याददाश्त कमजोर हो गई है, सलीम!

लेकिन हम तेरी याद-दाश्त जल्दी ही वापस ले आएंगे!
आऽऽऽह!
ये तो बेहोश हो गया! हमने कुछ ज्यादा ही जोर आजमा दिया!
सलीम तो अस्पताल पहुंच रहा था-
कुछ गड़बड़ हो गई तो कमिश्नर साहब हमारी खाल खींच लेंगे! इसको तुरंत अस्पताल पहुंचाओ!

लेकिन इस घटना का असर दूर कहीं पर भी होने वाला था-
व्हाट! पुलिस का दिमाग खराब हो गया है क्या? अगर सलीम मर गया तो इसके साथ-साथ बमों की जानकारी भी मिट जाएगी!
किसका फोन था?
मेरे एक रिपोर्टर दोस्त का फोन! ब्रेकिंग न्यूज है!
क्या हुआ, नताशा?
व्हाट?
पुलिस ने सलीम पर थर्ड डिग्री का इस्तेमाल किया है! इस वक्त वह अस्पताल में है!
न्यूज सुनते ही मैंने भी यही कहा था!
पुलिस वालों को समझा बुझाकर रोकना होगा! वर्ना इतनी बड़ी मुसीबत पैदा हो जाएगी, जिसका किसी को अनुमान तक नहीं होगा!
सलीम का जवाब पहले ही आ गया था-
मैं अभी कमिश्नर राजन से संपर्क करता हूं!
लेकिन अब तक शायद देर हो चुकी थी-

राजनगर पर आफत टूट चुकी थी-
हां रोबो! नहीं हम इसका ध्यान रख रहे हैं कि सलीम को कोई नुकसान न पहुंचे... एक मिनट रोबो!
हां! क्या बात है, इंस्पेक्टर?
क्या?
राजनगर स्टॉक एक्सचेंज की इमारत में एक बड़ा विस्फोट हुआ है!
ये जरूर सलीम के आदमियों का ही काम है। चूंकि बम पहले से ही कई जगहों पर छुपाए जा चुके हैं इसीलिए अब उनको फोड़ना उनके लिए मामूली सा काम है!
मुझे चलना होगा!
क्या हुआ कमिश्नर साहब?
खबर देते रहिएगा!
जरूर! सलीम को हिन्दुस्तान लाते वक्त तुमने हमारी जो मदद की है उसे हम कैसे भूल सकते हैं! वैसे भी हमको तुम्हारी मदद की जरूरत पड़ेगी!
ओ, कमिश्नर साहब! शर्मिन्दा मत कीजिए!
कमिश्नर साहब तो बेवजह मेरी तारीफ कर रहे थे!
बेवजह नहीं पापा! पुर्तगाल में आपकी सिक्योरिटी की वजह से ही सलीम के वे पार्टनर सलीम पर हमला नहीं कर पाए जो उसकी जुबान खुलने पर फंसने से डर रहे हैं! आखिर जेल से छूटने के बाद कानूनी प्रक्रियाएं पूरी होने तक सलीम को तो आपकी पुर्तगाल यूनिट ने ही गुप्त स्थान पर रखा था! एकदम सुरक्षित!
हां, वो तो है!
पर ये बम का नया चक्कर क्या है?
बम का रहस्य भी जल्दी ही सामने आ जाने वाला था-
सीढ़ी इससे ज्यादा ऊपर नहीं जा सकती!

ओफ़! अब उस औरत और बच्चे को बचाना मुश्किल है! उन तक तो शायद हैलीकॉप्टर से भी मदद न पहुंच पाए!
वो औरत ज्यादा देर तक गर्म सरिये को थामे भी नहीं रह पायेगी! गिर जायेगी! और मलबे के कारण नीचे जाल बिछाने की भी जगह नहीं है! अब तो इसको भगवान भी नहीं बचा सकता!
दोनों ये बात भूल गए थे-
कि जाको राखे साईंयां ...
FIRE
... मार सके न कोय-
ये... ये ध्रुव क्या करना चाहता है?

मंज़िल पर रहता था
बचा ही लिया है।
इमारत में और कोई फंसा है?
पुलिस हिरासत में है तो फिर अब बम कौन फोड़ रहा है?

किसी और को भी इस जवाब की तलाश थी
किसने?
स... सलीम अब्दुल सलीम ने.
कैसे?
पता नहीं पर दारूखाने में दो-तीन लोग यही बात कर रहे थे.
पहली बार जब तूने मुझसे पूछा था तो मेरा खून उबल गया था
फिर सोचा कि इस बार कानून को ही हाथ आजमा लेने दूं! पर सरकारी कानून कमज़ोर निकला! अब दादा का कानून चलेगा।
पता कर कि सलीम कहां पर बंद है!
राजनगर के पुलिस हॉस्पिटल में... सच.
न्यूज़ पर आया है!
दारूखाने में टी.वी. चलता है न.

अब अब्बू सलाम पोस्टमार्टम के बाद ही उस अस्पताल से बाहर आएगा।
राजनगर के पुलिस वालो
इधर आ रहा है!
बिल्कुल पहले की तरह तेरा काम पक्का किया न।
ला ; इस काम का रोकड़ा दे न!
अपुन को सब बोतल दारू की दवाई की ओर भागना है!
अब तुझे दवा की नहीं...
...दुआ की जरूरत है!
भगवान इसकी आत्मा को शांति दे!
जितना कुछ सामने नज़र आ रहा था-

रहस्यों के पर्दे के पीछे छुपा हुआ था -
क्या हुआ डॉक्टर !
ऐसा क्या मिला है मलोम के ब्रेन स्कैन में ?
उन्हें यहाँ बुलाओ.
तुरन्त.
जल्दी ही
क्या बात है डॉक्टर ?
ये कितना पुराना है ये कहना मुश्किल है.
तुमने इसी को दिखाने के लिए मुझे यहाँ पर बुलाया है ?
पता है मैं कितनी ज़रूरी मीटिंग छोड़ कर यहाँ पर आया...
दूसरी बात
इसके मस्तिष्क में अलग- अलग स्थानों पर कुछ इलेक्ट्रॉनिक पुर्ज़े लगे हुए हैं.
और इनका क्या मतलब है, ये एक डॉक्टर नहीं बता सकता.
अब अगर आप इजाजत दें तो मैं आपरेशन करके इन पुर्ज़ों को निकालूँगा।
न... नहीं ! अभी थोड़ा रुक जाओ

मे बचा लिया था।
ब्रेन में इलेक्ट्रॉनिक सर्किट, कहीं ये ... तो नहीं है
इस बक्स को इस आदमी के घर में रखा जाता है जहाँ से पुलिस को सबूत मिल सकता है

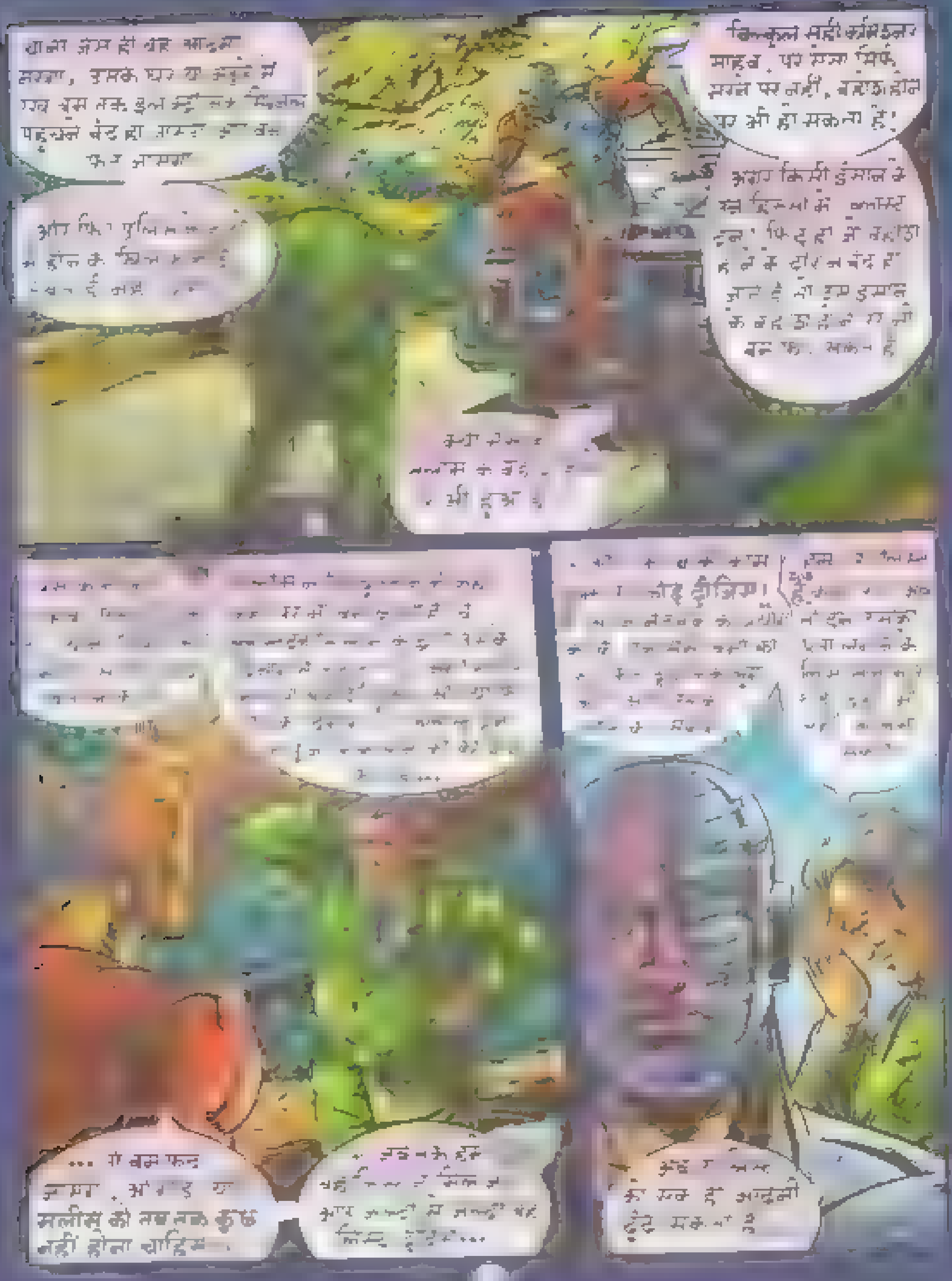

साहब, पर ऐसा सिर्फ़
पर भी हो सकता है!
अगर किसी इंसान के
नहीं होना चाहिए...

सुपर कमांडो ध्रुव-
अब ये कपड़े चिथड़े और कतरन में बदल चुके हैं लेकिन इनके अंदर से भी हमको लिस्ट तो छोड़ो एक अक्षर तक नहीं मिला!
फिर तो वह लिस्ट जरूर सलीम के दिमाग में है। कहीं ऐसा तो नहीं कि वह लिस्ट किसी सूक्ष्म 'चिप' में भरी हुई हो जो सलीम के ब्रेन में ही फिट हो!
नहीं! अगर ऐसा होता तो अब तक सलीम उस लिस्ट को पाने या सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने की कोई कोशिश जरूर करता
यह भी संभव नहीं है। क्योंकि वह लिस्ट ऐसी जगह पर होना जरूरी है जहां पर उस तक तुरंत पहुंचा जा सके। और ब्रेन में रखी चिप तक न तो तुरंत पहुंचा जा सकता है, और न ही बिना किसी डॉक्टर की मदद के
तो वह ऐसी कौन सी जगह है जो हमारे सामने है, पर हम उसको देख नहीं पा रहे हैं.
पर तुम तो दाढ़ी भी नहीं रखते!
मैं न सही...

पर मलोस तो रखता है,
तुम मेरे मरीज पर कैंची नहीं लगा सकते
मरीज को नहीं मैं इसकी दाढ़ी को कैंची लगा रहा हूं
ताकि रहस्यों के पर्दे उठ सकें।
और सच सामने आ सके,
ओ गॉड! इसके गालों पर तो कुछ गुदा हुआ है!
नाई को बुलाओ इसकी शेव करो
कुछ ही देर के बाद लिस्ट सबकी आंखों के सामने थी
लिस्ट इसके गालों पर गुदी हुई है।
कमाल है तुमने ये सोचा कैसे कि इसकी दाढ़ी में लिस्ट है।
वह जगह सिर्फ गाल ही सकती थी, दाढ़ी के नीचे का हिस्सा,
ब्रिलियेंट!
जब आपने ये कहा कि शायद वो जगह हमारे सामने है, पर हम उसे देख नहीं पा रहे हैं।
वह जगह गालों के नीचे भी सकती थी मकसद यह था कि सिर की या गाल की.
वह जगह सिर नहीं हो सकती थी क्योंकि सिर पर किसी इंसान को शीशे में देखकर भी खुद पढ़ना मुश्किल है
ये लिस्ट है या हड़प्पा की खुदाई।

ये लिस्ट तो कोडवर्ड में है!
हम इस कोड को तोड़ सकते हैं, हमने कई गुप्त भाषाओं को सफलतापूर्वक ट्रांसलेट किया है!
तब तक हमारे एक्सपर्ट इस पर काम कर सकते हैं!
एक रास्ता और है क्यों न इस बार भी हम रोबो की मदद लें।
शायद अपराधियों में प्रचलित इस भाषा के बारे में वह कुछ जानता हो!
ये भाषा कुछ ज्यादा ही अजीब लग रही है, सफलता मिलने में जरूरत से ज्यादा समय लग सकता है।
अगर हम असफल रहे तो जब सलीम होश में आएगा तब वह बताएगा!
हो सकता है, पर नहीं भी हो सकता!
वैसे भी रोबो पर हद से ज्यादा निर्भर होना ठीक नहीं है!
ध्रुव के दिमाग पर अब वह लिस्ट पूरी तरह से छा गई थी-
आप रोबो से सलाह कीजिए! तब तक मैं अपनी तरह से कोशिश करता हूं, एक प्रिंट आउट मुझे दे दीजिएगा!
स... स...! श्योर सर
कमांडो हेड-क्वार्टर के कंप्यूटर में एक डीकोडिंग सॉफ्टवेयर लगा है, शायद वह इस कोड भाषा को...
ध्रुव अपने ख्यालों में कुछ ज्यादा ही खो गया था -

वह एक एक्सीडेंट कर बैठा था-
आऊ.
आपको कहीं चोट तो नहीं आई ?
मैं तुम्हारा पुलिस में कंप्लेंट...
...शायद न करूँ! आऊ! हाऊ हैंडसम!
जी आपको ज्यादा चोट तो नहीं आई है-

मनराज? व्हाट 'मनराज'?
अभी तो आप मुझे 'स्पीड मेनियक' कह रही थीं! अंधाधुंध बाइक चलाने वाला
अपनी बाइक पर?
आपको मनराज न हो तो!
क्या?
पर आपका नाम इटेलियन तो नहीं लगता!
हे भगवान! कहां फंस गया? जल्दी से हॉस्पिटल पहुंचूं तो इस मुसीबत से पीछा छूटे!

पर मेरी पीछा छोड़ने वाली मुसीबत नहीं थी-
हे हे हे स्टॉप मुझे कॉफी नहीं पिलाओगे, हैंडसम?
ईश्वर, मेरा नाम ध्रुव है, हैंडसम नहीं!
और मेरे पास फालतू का समय नहीं है!
आपको जल्दी से हॉस्पिटल पहुंचाना भी...
नो हॉस्पिटल मुझे पुलिस स्टेशन जाना है टेक मी देयर!
पर क्यों? अभी तो आप...
पुलिस स्टेशन.
ओ.के.! ओ.के.! मैं आपको कॉफी पिलाऊंगा.
मुझे तुम्हारी कम्प्लेंट लिखवानी है व्हाट यू कॉल... यस, एफ आई आर!
पर... पर...
देट्स लाइक अ गुड बॉय.
अगर इसने कम्प्लेंट लिखा ही दी तो मस्की और डबला को जरूर पता चल जायेगा और फिर दोनों मिलकर मेरा बैंड बजा देंगे मैं इतना बड़ा रिस्क नहीं ले सकता.
योर ऑर्डर सर.
टू कैपेचीनोज, एंड टेक योर टाइम! जल्दी मत लाना!
मैं समझ गई मैम एन्जॉय योर डेट!
पर! ये इसकी डेट नहीं...
यू नीड नॉट टेल हर देट, हैंडसम.
हैंडसम, हैंडसम मेरा नाम ध्रुव है. ध्रुव.
इट्स डिफिकल्ट! कैन आई कॉल यू...

...डब?
बिल्कुल नहीं!
...मामूली नहीं होते हैं-
हमने देखा है साहब जी, गलती आपकी नहीं थी। ये आदमी तो खुद चलते ट्रैफिक के बीच आ गया, जैसे या तो नींद में चल रहा हो या खुदकुशी करना चाहता हो!
बातें ही करोगे या इसे अस्पताल भी पहुंचाओगे?
पुलिस केस बन गया है। इसे पुलिस हॉस्पिटल ही ले जाना पड़ेगा। एंबुलेंस को फोन करो। 102।

पता नहीं इसकी जान बचती या नहीं वैसे ट्रक से टकराकर कम लोग ही जिन्दा बच पाते हैं.
हटो, हटो, एक एक्सीडेंट का केस है.
अस्पताल में सिर्फ चोट खाए लोग ही नहीं आते हैं..
...चोट पहुंचाने वाले भी आते हैं
आ आ गया। ये है

ऐसा कोड तो मैंने पहले कभी नहीं देखा।
किसी ने भी नहीं देखा है। इसको डिकोड करने के चक्कर में हमारे दो कंप्यूटरों के प्रोसेसर फुंक गए हैं।
राऊ! इतना कठिन! तब तो इसे क्रैक करने में मज़ा आएगा। वैसे मलोम कैसा है?
बेहोश
इसको होश में लाना ज़रूरी है। सिर्फ वही जानता है इस कोड मैसेज के बारे में।
वैसे भी अगर बेहोशी उसके दिमाग के दूसरे हिस्से तक भी पहुंच गई तो और भी नस फट सकते हैं!
उस पर चौबीसों घंटे नज़र रखी जा रही है!
हमारे कमांडोज़ के द्वारा भी और डॉक्टरों के द्वारा भी!
"मलोम पूरी तरह से सुरक्षित है-"
"मौत किसी भी रूप में-"
"उस तक नहीं पहुंच सकती है-"

लेकिन अगर उस मौत के चहरे पर डोगा लिखा हो...
...कि उस मौत को यमराज भी नहीं टाल सकते
सलीम को ढूंढना मुश्किल काम नहीं है.
जिधर भी पुलिस की तादाद बढ़ती मिले, आगे बढ़ते जाओ! सलीम अपने आप...
ये रहा सलीम.
क्योंकि तब तक तू ... रहेगा, डोगा तुझे नहीं मारेगा!
क्योंकि डोगा चाहता है कि तू अपनी मौत को अपनी आंखों से देखे; पूरे होशो-हवास में!
उठ, स... ...लीम?

मुझे पता था कि कोई न कोई खतरा ऐसा ज़रूर होगा जिससे कमिश्नर की कमांडो सिक्योरिटी नहीं निपट पायेगी.
इसीलिए मैं सलीम का दरबान बन चला आया!
मुझे भी पता था कि एक न एक दिन मेरा और तुम्हारा सामना ज़रूर होगा गंजे
और वह तुम्हारा आखिरी दिन होगा तुमको मेरे हाथों ही मरना था। इसीलिए तुम यहाँ चले आए।
ये बहस हम फिर कभी भी कर सकते हैं! फिलहाल यहाँ से चुपचाप चले जाओ!
सलीम को अगर कुछ हो गया तो फिर पूरे हिन्दुस्तान में तबाही मच जायेगी!
एक आतंकवादी के मरने से तबाही की बात...
...एक दूसरा आतंकवादी ही कह सकता है.
और फिर... तुम तो आतंकवादियों के गब्बर, सबसे बड़े शैतान.
अब पहले तुम मरोगे और फिर सलीम
रुक जा डोगा! मैं तुमसे लड़ना नहीं चाहता हमारी लड़ाई में जीते कोई भी, पर हिन्दुस्तान हार सकता है!
यह लड़ाई एक ही शर्त पर रुक सकती है!
मुझे सलीम की जान दे दे.
असंभव

तो फिर डोगा का पीछा छूटना भी असंभव है!
मुझे पता है कि राजनगर पुलिस की बैकअप यूनिट आने वाली है, लेकिन उससे पहले ही डोगा तुम्हारा और सलीम का काम तमाम करके यहां से निकल लेगा.
इसलिए लड़ाई को सलीम से दूर ले जाना होगा!
इन गोलियों के दम पर तुम गेवो को तो नुकसान नहीं पहुंचा सकते, लेकिन सलीम को नुकसान पहुंच सकता है!
शायद लड़ाई शुरू होने से पहले ही खत्म हो गई.
क्योंकि हम आठवीं मंजिल पर हैं.
और यहां से गिरकर डोगा भी...
...बच नहीं सकता!
सही कहा! यहां से गिरकर कोई बच नहीं सकता
न जाने मौत किसके सिर पर मंडरा रही थी-
सलीम के, गेवो के, डोगा के

ध्रुव के-
हाँ तो ड्रुव, तुम करते क्या हो?
कहा न मेरा नाम ड्रुव नहीं...
ड्रुव नहीं, 'आऊ' है?
आऊ किसी का नाम होता है क्या? वो तो गर्म कॉफी पीने से मेरा मुंह जल गया था।
जल्दी भागने की स्कीम बना रहे थे क्या? ओ.के. टेल मी! व्हाट यू डू फॉर ए लिविंग?
मैं एक... वैसे तो मैं कुछ खास नहीं करता...
करता हूं!
और नहीं, नहीं ये तो पहली बार हुआ है।
अच्छा! बताओ तो तुम करते क्या हो?
मैं... अं... कैसे बताऊं कि मैं क्या करता हूं! मैं निर्दोषों को अत्याचारियों से बचाता हूं
ओ... यू आर ए सोशल वर्कर! लेकिन तुम ऐसी ड्रेस क्यों पहनते हो?
मैं एक सुपर हीरो हूं! समझीं!
वैसे भी मैं सर्कस में पला बढ़ा हूं! वहां पर शो करते समय मेरी ड्रेस यही होती थी!
कैसी ड्रेस?
यही... टाइट्स और... ही ही ही!
ही ही ही क्या?
यही! टाइट्स के ऊपर ही ही ही...
ओ.के.! ओ.के. डोंट शाउट!
वियर व्हाट यू लाइक
पर... सुपर हीरो ऐसी ड्रेस क्यों पहनते हैं?

मुझे क्या पता? सुपरमैन से जाकर पूछो. ये ट्रेंड उसी का शुरू किया हुआ है.
वैसे ये हाइड्रस फाइट करते वक्त काफी काम आते हैं!
काफी खत्म हो गई है. अब तो हॉस्पिटल चलें!
पेमेंट तो कर दो. वैसे तुम्हारी कोई पॉकेट तो है नहीं! पर्स कहाँ रखते हो?
अपनी बेल्ट में! लेकिन पर्स नहीं...
...सिर्फ पैसे।
आ! तो पर्स
ओ.के.! ओ.के. माई मिस्टेक. मुझे देखते ही समझ लेना चाहिए था कि तुम सुपर मैन हो, माई सुपर हीरो बब!
ये कुछ ज्यादा ही हो रहा है!
हॉस्पिटल चलें या अब आप और भी खायेंगी
नो नो.
मेरा पैर का पेन ओ.के. है. ठीक हो गया है! इट्स बेटर नाऊ!
तो फिर मैं हॉस्पिटल जा रहा हूं.
यू? बट व्हाय?
क्योंकि मेरे सिर में दर्द शुरू हो गया है!
अब हम फिर कब मिलेंगे?
भगवान की कृपा रही तो कभी नहीं!
इट्स नॉट फेयर! मैंने तुम्हारे बारे में इतना कुछ पूछा, बट तुमने मेरे बारे में कुछ नहीं पूछा!
आप एक टूरिस्ट हैं और इंडिया घूमने आई हैं!
घूमने? नो, नो, मैं काम से आई हूं! इट्स ए वर्किंग ट्रिप.
सच में? आप क्या 'वर्क' करती हैं?
बाइक से टकराने के अलावा
आई एम ए क्रिप्टोग्राफर

ये क्या हो रहा है?
लैंग्वेज को रिकार्ड करती हूं मैंने इजिप्शियन और आल्ड लेटिन लैंग्वेजस पर वर्क किया है।
इंडिया भी मैं माहन जोदाड़ो और हड़प्पा की लैंग्वेज पर काम करने आई हूं।
ओ, आई एम सॉरी, मैं आपको एक मामूली टूरिस्ट समझ रहा था
एक मिनट ये शायद सलीम की गुप्त भाषा सुलझाने में मेरी मदद कर सके!
अ... मैडी
एस।
अभी मैं भी एक सीक्रेट लैंग्वेज पर काम कर रहा हूं, कैन यू हेल्प मी?
प्यार।
ये है वह सीक्रेट लैंग्वेज हमारे कंप्यूटर प्रोग्राम्स भी इसे डी कोड नहीं कर पा रहे हैं।
ये तो आसान सी लैंग्वेज है
सच में? तो आप मेरी मदद करेंगी?
फर्स्ट, तुम मुझे 'आप' नहीं 'तुम' बुलाओगे
ओ.के. दूसरी शर्त
तुम मुझे शहर दिखाने ले जाओगे.
ओ, नो
ओ, यस
मंजूर है

तुमने मुझसे उलझकर जिन्दगी की सबसे बड़ी भूल की है, डोगा!
और यह तेरी आखिरी भूल साबित होने वाली है।
आऽऽऽह! किस्मत मेरे साथ है!
में लगा बिजली का तार मेरे हाथ में आ गया है

और इस बार नीचे गिरने की बारी रंगा की थी-
बस, बहुत हो गया.
इस बार गोलियां नहीं, बल्कि तेरा दिल फटेगा.
लेसर ने डोगा के दिल का निशाना बना कर चल चुकी थी-
लगभग साथ ही साथ डोगा की पिस्तौल भी चल चुकी थी-

निशाना अचूक था
और उसी रास्ते पर आ रही दूसरी गोली ने-
डोगा की गोली अपना निशाना कभी नहीं चूकती थी-
लेकिन किस्मत राका के साथ थी-
गोलियां खत्म हो चुकी हैं.
और गोलियां ही मेरी ताकत हैं
गोलियां खत्म...
...मतलब डोगा खत्म
अब, हथौड़ा, जरूर उठाना है, राका!
लेकिन, इंसाफ हथौड़े नहीं...

... जज़्ब करना है!
इन दोनों को इस वक्त देखकर इंसान और दरिन्दे में फर्क करना मुश्किल था! अब इस लड़ाई का फैसला सिर्फ एक ही चीज़ कर सकती थी-
दोनों के ही शरीर से हड्डियाँ चटखने की आवाज़ें आ रही थीं-
और वह थी कि किसके शरीर में लोहा ज़्यादा है
तभी-
लेकिन कोई भी पीछे हटने को तैयार नहीं था-
रुक जाओ, अपने हाथ ऊपर उठाओ,
अच्छा रहने दो!

तुम चारों तरफ से घिर चुके हो.
कोई भी हरकत करने की कोशिश मत करना
अपने हाथ छोड़ दो! हम नीचे जाल बिछा चुके हैं!
हाथ छोड़ो!
वर्ना हम गोली चला देंगे!
गोरिल्लों का गोला दोनों को घेरे हुआ था-
लेकिन तभी- रोशनियाँ बुझ गईं-
और-
अरे! सिर्फ गधा डोगा कहां गया?
फिर गायब हो गया, कम्बख्त!

कुत्तों ने बचा लिया उसे!
ध्रुव तक इस घटना की खबर अभी नहीं पहुंची थी
... तुमको फिल्म दिखानी होगी।

क्या ये आप हैं मर्लोक भाई? जवाब दीजिए
क्योंकि मैं यहां से बाहर गया ही नहीं ..
... क्योंकि मैंने कसम खाई थी कि मैं यहां से तभी बाहर जाऊंगा, जब आप यहां पर आएंगे ..

तुम्हारा बॉस सलीम अब पुलिस की हिरासत में है! तुम्हारी भलाई भी अब इसी में है कि तुम चुपचाप वे खतरनाक बम मेरे हाथ में सौंप दो जो सलीम ने अलग-अलग जगहों पर छुपाए हुए हैं।
क्योंकि मैं पुलिस के साथ ही काम करता हूं।
बस! फट्टू का यही जानना था!
कहीं तु... सुपर कमांडो ध्रुव तो नहीं है।
मैं वही हूं!
बस...
फट्टू का काम तो हो गया।
तेरी कीमत पुलिस की नजरों में बहुत ज्यादा है। अब फट्टू तुझे पकड़ कर तेरी कीमत वसूलेगा!
सलीम भाई गिरफ्तार हो गए! अब तो फट्टू की जिम्मेदारी और बढ़ गई है! पर तू पुलिस वाला तो है नहीं! फिर मैं बम तुझे क्यों सौंप दूं?
और वह कीमत सलीम भाई की रिहाई है।
आह! बिना लड़े कोई मानता ही नहीं! लेकिन इस सीचेड गुंडे पर काबू पाना ज्यादा मुश्किल नहीं होना चाहिए!

इससे पहले कि ध्रुव सम्भलकर खड़ा हो पाता-
वह फिर से नीचे आ गिरा-
ओह, शुक्र है भगवान का कि कोई हड्डी नहीं टूटी लेकिन मैं इन भारी भरकम लट्ठों के बीच में बुरी तरह से फंस गया हूं।
और अकेले मेरी ताकत से ये हिल भी नहीं सकते।
मुझे मदद चाहिए!
मदद हाजिर है!
तुम लट्ठों को काटकर मुझे निकालोगे?
काटकर निकालूंगा। पर लट्ठों को नहीं तुझे काटकर
पहले तेरे हाथ काटूंगा! इसको पुलिस स्टेशन भेजूंगा!
और फिर भी सलीम भाई वापस न आए

और ध्रुव की नज़रें तेज़ी से उस मदद को तलाश रही थीं—
...खींचकर लहरों की कैद में से बाहर निकाल दें—

नहीं!
न रुक, हां सुरंग से भाग सकता है. बस मेरे हाथों में सौंपने के बाद.
इस छोट में बक्से के अंदर छिपकर कुछ नहीं होगा...
अरे
गायब हो गया
पर कहां?
वहां.
आऽऽऽह.
इस बक्से के ऊपर का हिस्सा खुल सकता है. वह यहीं से भागा है!
मुझे इसका पीछा करना होगा!
लेकिन पीछा कर पाता
क्या इतना आसान था?
ओ माई गॉड

यहां तो बक्सों की पूरी भूल भुलैया बनी हुई है.
ये फर्नीचर की भूल भुलैया है, मुझे और यहां पर से भी आना है...
... उसकी लाश ही बाहर आनी है.
आफ़! बाल बाल बचा!

अब तो ... तक जल्दी पहुँचना और भी जरूरी हो गया है.
आह.
फिर बाल बाल बचा.
इस बार तेरा एक भी बाल नहीं बचेगा!
क्योंकि इस बार तुझे बचने का कोई रास्ता नहीं मिलेगा.
ढलान पर चील की तरह लुढ़कते लकड़ी के लट्ठों का वह विशाल ढेर -
ध्रुव को कुचलता चला गया -
हा हा हा! ठक ठक. पिचक गया ध्रुव!
ओह, तू... तू बच कैसे गया. तेरी तो हड्डी पसलियाँ एक हो जानी चाहिए थीं.
दो लट्ठों के बीच खाली जगह भी होती है,
कर बच गया

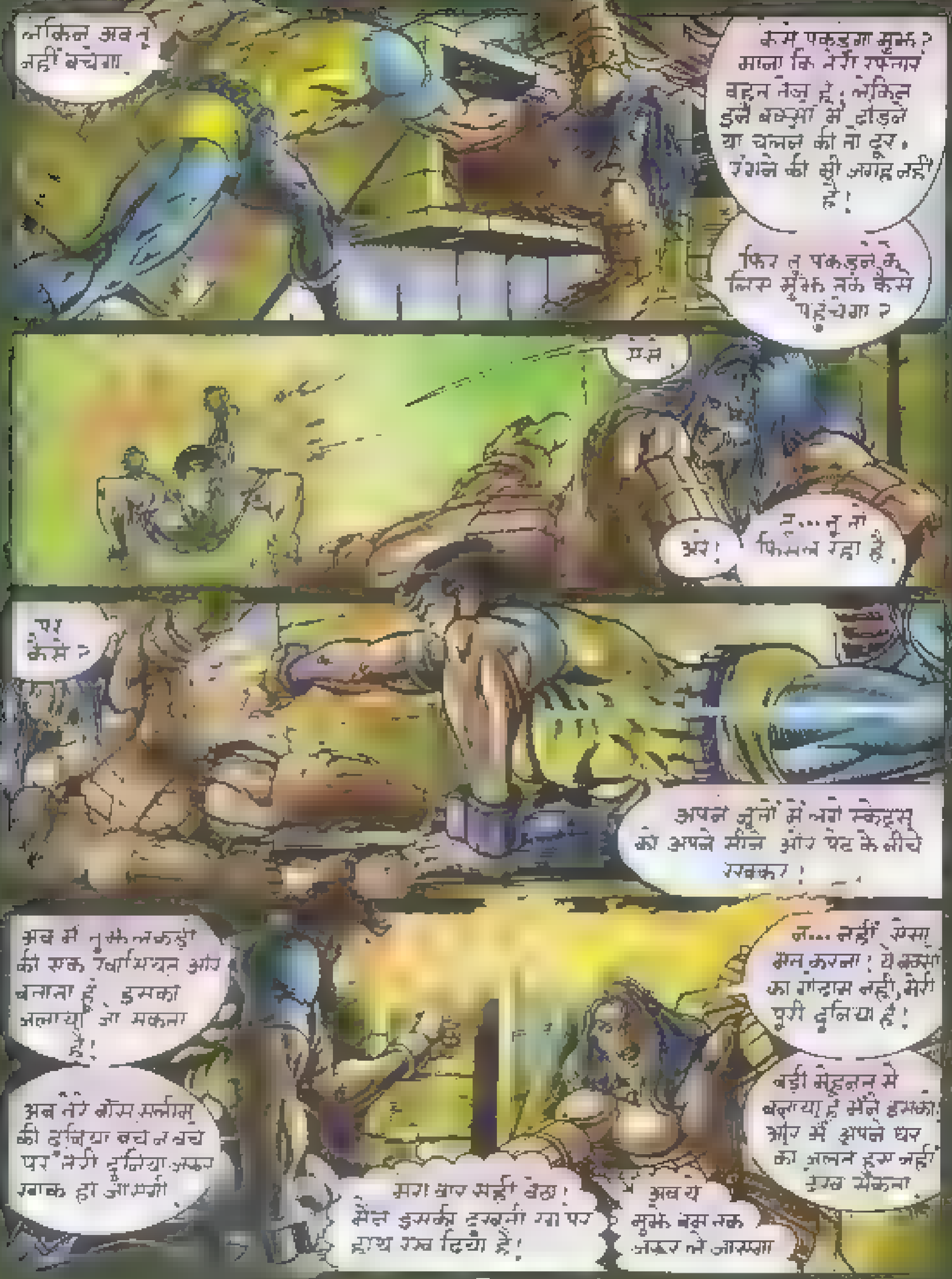
लेकिन अब तू नहीं बचेगा
कैसे पकड़ेगा मुझे? माना कि तेरी रफ्तार बहुत तेज है; लेकिन इस बस्ती में दौड़ने या चलने की तो दूर, रेंगने की भी जगह नहीं है!
फिर तू पकड़ने के लिए मुझ तक कैसे पहुंचेगा?
अरे!
तू...तू तो फिसल रहा है.
पर कैसे?
अपने जूतों में लगे स्केट्स को अपने सीने और पेट के नीचे रखकर!
अब मैं तुझे लकड़ी की एक ख्वाबगाह और बनाता हूं, इसको जलाया जा सकता है!
न... नहीं ऐसा मत करना! ये बस्ती का गोदाम नहीं, मेरी पूरी दुनिया है!
बड़ी मेहनत से बनाया है मैंने इसको और मैं अपने घर को जलते हुए नहीं देख सकता
अब तेरे बॉस सर्लास की दुनिया बचे न बचे पर तेरी दुनिया जरूर खाक हो जाएगी
मेरा वार सही बैठा! मैंने इसकी दुखती रग पर हाथ रख दिया है!
अब ये मुझे बॉस तक जरूर ले जाएगा

क्योंकि जब घर में आग लगती है तो आदमी सबसे पहले अपना सबसे कीमती सामान बचाने की कोशिश करता है।
और यहां पर सबसे कीमती सामान वह बम है...
ध्रुव का उस भूल भुलैया में फट्टे का पीछा कर पाना आसान नहीं था
...अगर कोई बम यहां पर है तो।
और इस आग के बुझने का अर्थ था-
और इसको हासिल कर पाना दो अलग-अलग चीजें थीं-
लेकिन ध्रुव जानता था कि बम तक पहुंच पाने का यही एकमात्र मौका है-
लकड़ी का कवच फट्टे की शक्ति है!
इसको इसकी कमजोरी भला कैसे बनाया जा सकता है?
पर बम तक पहुंचना
ओSSS ह!

शायद इससे
तू अब नादानों जैसी हरकत कर रहा है! लकड़ी को लकड़ी नुकसान नहीं पहुंचाती
लकड़ी की पेटी कैसे बनती है, फट्टे ?
लकड़ी के तख्तों को जोड़ कर।
सही जवाब, मगर अधूरा!
सही जवाब है लकड़ी के तख्तों को लकड़ी के तख्तों से ठोंककर!
अब मैं तेरी...
...पेटी बनाने जा रहा हूं!
लेकिन इस लड़ाई में काफी देर हो चुकी थी-
और गोदाम आग की लपटों से घिर गया था-
आह, ध्रुव, जल्दी बाहर आओ! तुम कहां हो ?
यहां!
थैंक गॉड यू आर सेफ
रस मिला ?

बम भी मिला, और बम वाला भी!
ग्रेट!
आह हां, मैं तो भूल ही गया था.
तुम बम के मिलने पर इतनी खुश क्या हो रही हो?
क्योंकि अब तुम मुझे फिल्म दिखाने ले जाओगे.
ओ यस।
क्योंकि मुझे सब याद है।
ओ.के. लेकिन अब सही साबित होने के बाद तुम्हारा काम बढ़ गया है, मैंडी
अब तुमको पूरा मैसेज डीकोड करना पड़ेगा ताकि हम सारे बम ढूंढ सकें।
और तहखाने की चिन्ता मत करना।
और फिर-
तुम्हारा मतलब है कि ये छोटी सी लड़की इस कोडेड मैसेज को डीकोड कर सकती है!
पहले मैसेज को ये डीकोड कर चुकी है, पापा! ये बम मुझे वहीं पर मिला था.
लेकिन पहले इस बम को सुरक्षित हाथों में पहुंचाना जरूरी है.
ग्रेट! हमारे और कम्प्यूटर फुंकने से बच गए. तुम तुरन्त काम पर लग जाओ मैंडी!
अ... अभी हमें कुछ और काम करना है, पापा दो तीन घंटे बाद ये काम शुरू कर दूंगी.

सिस्टर ही कोड हो सकती है और एक बम मिल भी चुका है। ये तो अच्छी बात है।
ऐसा कोड़ का काम है
मैं आकर बता दूंगा
पता है न
चलो
एक मिनट एक मिनट
नहीं
तुम कहोगा तो मैं भी रह लूंगी

हो सकता है। जहां मैं गया था वहां पर भी फटे बम का एक आदमी बम की सुरक्षा के लिए तैनात था।
पल्लटन रोड के प्लॉट नंबर 56 पर एक पेटी के गोदाम में.
पहले वहां पर एक मशहूर डांस बार हुआ करता था। जो अब हाई कोर्ट के ऑर्डर के बाद बंद हो गया है. बम इसी स्थान छुपाया गया होगा।

ओ.के.! पर हर रेड में वहां की लोकल पुलिस का एक बड़ा अधिकारी तुम्हारी टीम के साथ रहेगा. इस बार में मैं हांस किलिन्स्की से परमीशन ले लूंगा
मैं भी यहीं रहता हूं.
पर तुम अपनी जान खतरे में क्यों डालना चाहती हो मेघा?
तुम मिस्टर ... कर दो ... तुम्हारा काम खत्म.
आई वान्ट टु ... समथिंग फॉर ...!
मैं नहीं हूं ...
... वह एक्सप्लोसिव होगा मज़ार बाबा में!
ऐसा बम तो मैंने पहले कभी देखा नहीं। और मैं पच्चीस सालों से बमों का एक्सपर्ट हूं.
इसका मतलब है कि ये इलेक्ट्रॉनिक बम है। एक आधुनिक ईजाद। ये जहां पर भी फटता है वहां से दस मील के घेरे में मौजूद हर इलेक्ट्रॉनिक चीज धमाके के साथ फट जाती है। फिर वो चाहे आपके घर में रखा टी.वी. हो या आपकी जेब में रखा मोबाइल।
इसमें न तो कोई ... नजर आ रहा है और न ही एक्सप्लोसिव मैटीरियल.
... मेघा तुम्हारे साथ रहेगी।
कोई भी चीज इस बम की ... इलेक्ट्रॉनिक ... से बच नहीं सकती
ऐसा बम भी होता है.

ठीक है ! तुम सब अगर मेरे साथ आना चाहते हो तो चलो, पर गुर्राना मत !
क... क्या करते हैं ?
ई SSSS
ज़रा दूर होकर बैठो न, यहाँ हर कोई मुझे पहचानता है !

मैं पॉपकॉर्न लेकर आता हूं
हे भगवान मुझे तो तुमसे बहुत डर लग रहा है!
तुम अपने काम पर और मैं अपने काम पर।
सिर्फ रिलेक्स करने के लिए
लेकिन तुमसे भी मैं एक बात कहना चाहता हूं।
शायद...
शायद...
('शायद क्या' 'शायद' क्या?)
शायद मैं भी तुमको पसंद करने लगा हूं।
ओ गॉड! मैं तो सिर्फ 'शायद' का मीनिंग पूछ रही थी।
तुमने फिल्म देखी ही कहां थी!

तुम लोग यहीं पर मेरा इंतजार करना, दोस्तों.

इंडिया में कोई सिटी है जिसका नाम इंधार है?
पानी की टंकी के पास

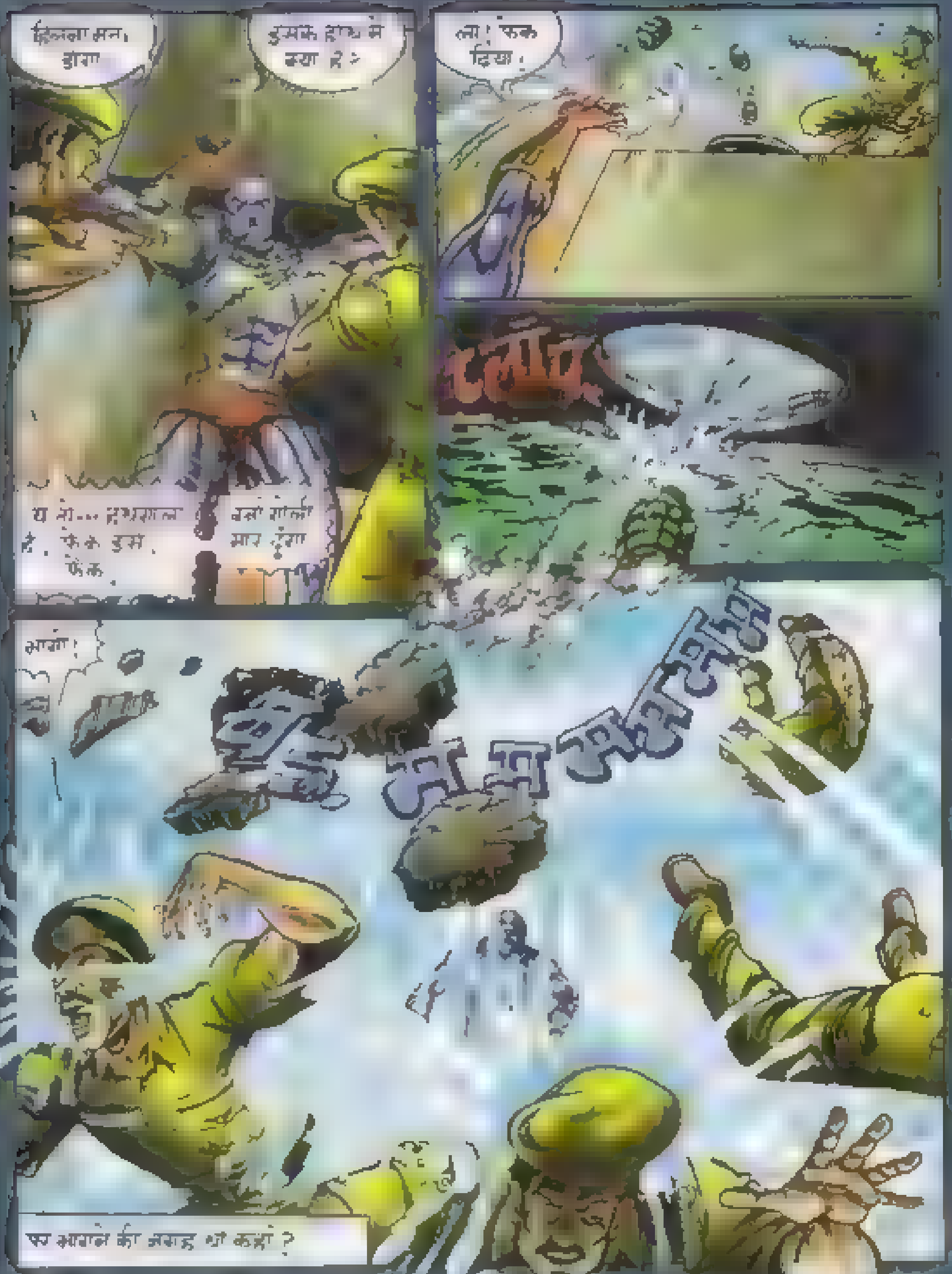
हिलना मत, डोगा
इसके हाथ में क्या है?
लो! फेंक दिया।
ये तो... हथगोला है। फेंक इसे, फेंक
वर्ना गोली मार दूंगा

अब सलीम तक पहुंचने से मुझे कोई नहीं रोक सकता
गलत, डोगा
सलीम तक पहुंचने के लिए तुमको मुझे पार करना पड़ेगा
धुब!
तुम जानते हो कि मैं तुम पर गोलियां नहीं चला सकती!
पर मुझे यह समझ में नहीं आ रहा है कि तुम और इंस्पेक्टर सलीम जैसे निर्मम आतंकवादी को बचाने का प्रयास क्यों कर रहे हो?
डोगा सिर्फ दोस्त या दुश्मन पहचानता है
समझाने का समय नहीं है डोगा! बस इतना समझ लो कि ये तुम्हारी लड़ाई नहीं है. तुम वापस चले जाओ!
क्योंकि सलीम की जान इस वक्त हिन्दुस्तान की जान है.
आऽऽऽह, तुम मुझ पर गोलियां चला रहे हो?
बदकिस्मती से मैं अभी भी तुमको दोस्त मानता हूं, इसीलिए मैं इस AK 56 में रबर बुलेट्स भरकर लाया हूं.
रबर बुलेट्स के उसके शरीर में मारने की न सही, पर चोट पहुंचाने की ताकत तो थी

और उसके सामने थी
लेकिन
अब तुझे भी संभल जाना होगा
चाहे वह कीमत मेरी जान ही क्यों न हो।

ओह... ध्रुव ने सलीम को बचा लिया है!
अब वह सलीम को मुझसे दूर ले जाने की कोशिश जरूर करेगा लेकिन इस बार डोगा सलीम का पीछा नहीं छोड़ेगा, चाहे उसके लिए मुझे दूसरी दुनिया में ही क्यों न जाना पड़े.
डूब गया!
डोगा के चारों तरफ गोलियों की चमक ने उजाला कर दिया-
अब डोगा आगे नहीं बढ़ सकता था-
या बढ़ सकता था?
लकड़ी के नालों पर! गुड ब्वायस
सलीम के पीछे आ रहा है.
अब इसको समझ लो क्योंकि मैं...
अरे तुम लोग कोर्ट पार करके यहां पर कैसे आ गए?
डो... डोगा आ रहा है
मैं देख रहा हूं, घबराओ मत
तुमको कुछ नहीं होगा।

थैंक्यू,
मुझे कस कर पकड़ लो, सलीम...
...क्योंकि अब हम..

इस टक्कर से पूरे ब्रिज की पसलियां कांप उठीं
आऊ !
डोगा फिर से हमारे पीछे आ रहा है.
पास तो आना ही पड़ेगा, सलीम.
क्योंकि मेरे पास सिर्फ एक गोली बची है !
और मैं निशाना चूकने का रिस्क मोल नहीं ले सकता
डोगा, अब भी मौका है मान जाओ
वहीं पुल के दूसरे छोर पर एक पुलिस पार्टी तुम्हारा इंतजार कर रही है
वे तुमको भूनकर रख देंगे और मैं ऐसा नहीं चाहता लौट जाओ डोगा !
लौट आऊंगा लेकिन सलीम को इस दुनिया से लौटाने के बाद !
सॉरी, डोगा !

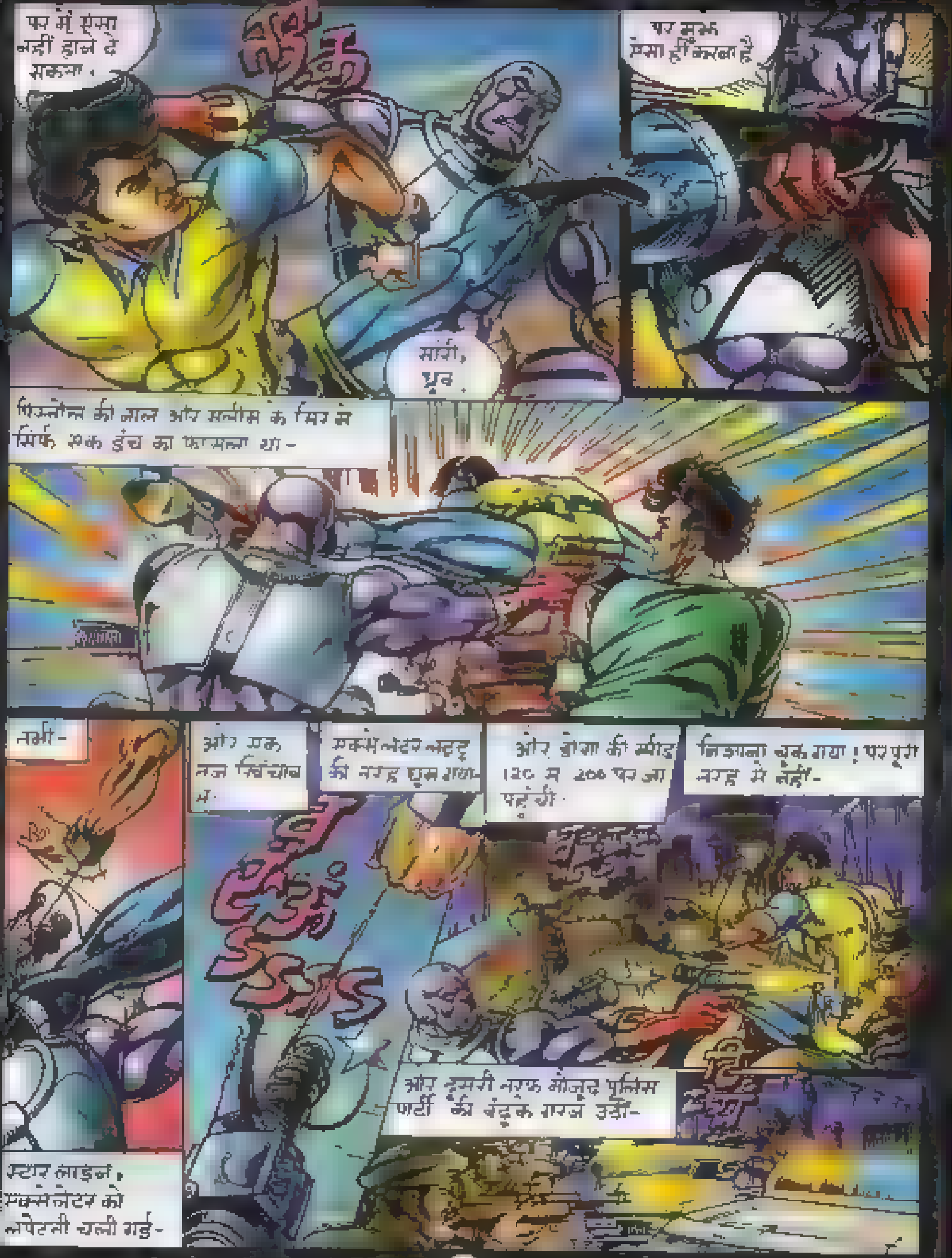
पर मैं ऐसा नहीं होने दे सकता,
पर मुझे ऐसा ही करना है
सॉरी, ध्रुव.
पिस्तौल की नाल और सलीम के सिर में सिर्फ एक इंच का फासला था –
तभी –
और एक तेज खिंचाव से
एक्सीलेटर लट्टू की तरह घूम गया–
और डोगा की स्पीड 120 से 200 पर जा पहुंची.
निशाना चूक गया! पर पूरी तरह से नहीं–
और दूसरी तरफ मौजूद पुलिस पार्टी की बंदूकें गरज उठीं–
स्टार लाइन, एक्सीलेटर को लपेटती चली गई–

सलीम! सलीम! बेहोश मत होना!
मैं तुमको अस्पताल ले जा रहा हूं!
होश संभाले रखो
ओ गॉड
पापा, पापा, कहीं से कोई बम फटने की खबर तो नहीं आई
सलीम फिर से बेहोश हो गया है हालांकि वह खतरे से बाहर...
एक मिनट हुआ उस लिस्ट के मुताबिक सारे बम हमारे पास आ चुके हैं!
लेकिन लगता है कि ये कोई बम नहीं...
यस सर!
और ऐसा बम मैंने तो पहले कभी नहीं देखा!
मैं जानता हूं कि ये क्या है...
और उसका रिमोट मेरे हाथ में है!

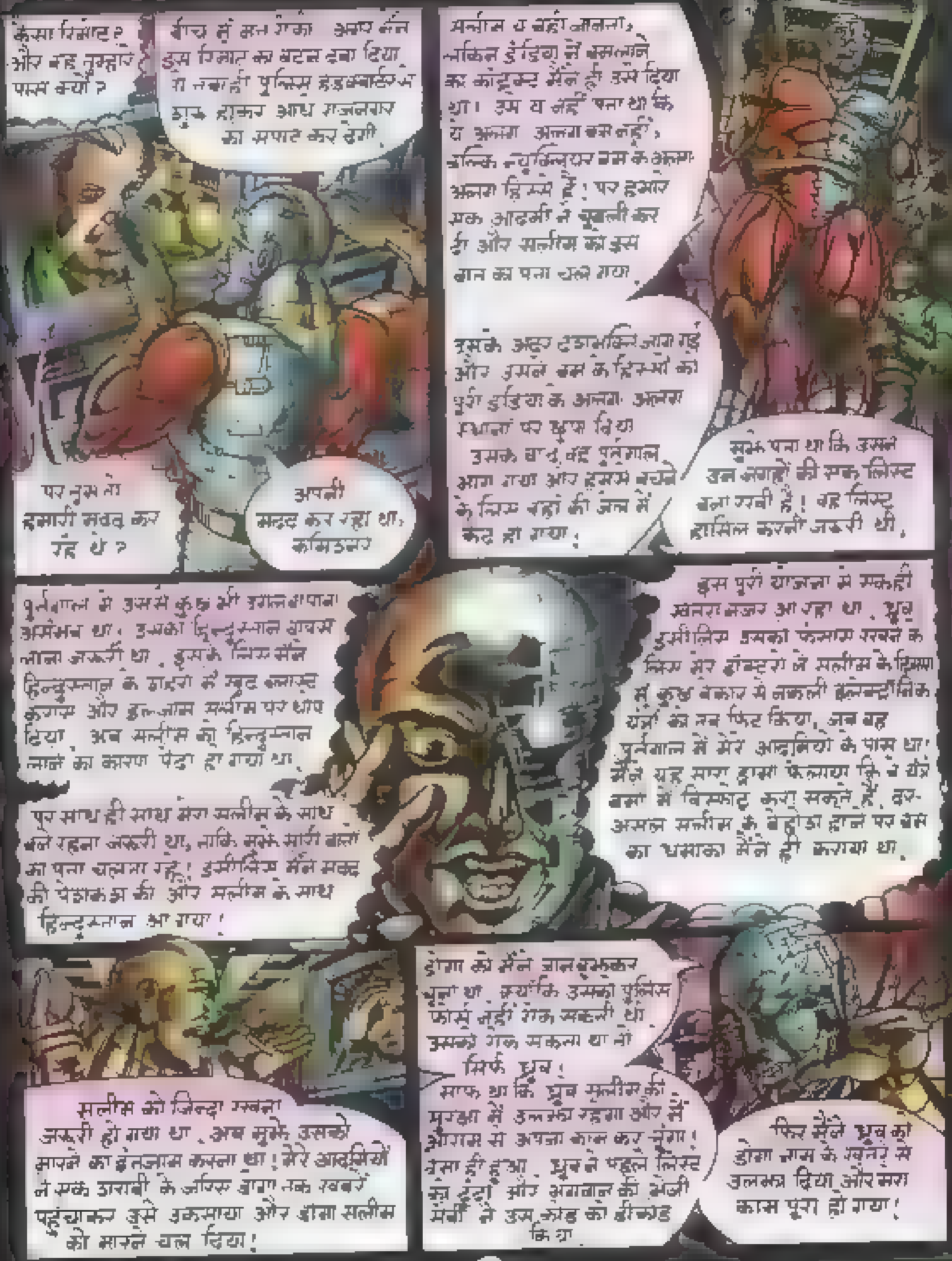
कैसा रिमोट? और वह तुम्हारे पास क्यों?
बीच में मत टोको। अगर मैंने इस रिमोट का बटन दबा दिया तो जल्द ही पुलिस हेडक्वार्टर से शुरू होकर आधे राजनगर का सफाया कर देगी
पर तुम तो हमारी मदद कर रहे थे?
अपनी मदद कर रहा था, कमिश्नर
सलीम ये नहीं जानता, लेकिन इंडिया में बम लाने का कॉन्ट्रैक्ट मैंने ही उसे दिया था। उसे ये नहीं पता था कि ये अलग-अलग बम नहीं, बल्कि न्यूक्लियर बम के अलग-अलग हिस्से हैं! पर हमारे एक आदमी ने चुगली कर दी और सलीम को इस बात का पता चल गया.
उसके अन्दर देशभक्ति जाग गई और उसने बम के हिस्सों को पूरे इंडिया के अलग-अलग स्थानों पर छुपा दिया. उसके बाद वह पुर्तगाल भाग गया और हमसे बचने के लिए वहाँ की जेल में कैद हो गया.
मुझे पता था कि उसने उन जगहों की एक लिस्ट बना रखी है! वह लिस्ट हासिल करनी जरूरी थी.
पुर्तगाल में उससे कुछ भी उगलवा पाना असंभव था। उसको हिन्दुस्तान वापस लाना जरूरी था. इसके लिए मैंने हिन्दुस्तान के शहरों में खुद ब्लास्ट कराए और इल्जाम सलीम पर थोप दिया. अब सलीम को हिन्दुस्तान लाने का कारण पैदा हो गया था.
इस पूरी योजना में एक ही खतरा नजर आ रहा था, ध्रुव. इसीलिए उसको फंसाए रखने के लिए मेरे डॉक्टरों ने सलीम के दिमाग में कुछ बेकार से नकली इलेक्ट्रॉनिक यंत्रों को तब फिट किया, जब वह पुर्तगाल में मेरे आदमियों के पास था। मैंने यह सारा ड्रामा फैलाया कि वे यंत्र बमों में विस्फोट करा सकते हैं, दर-असल सलीम के बेहोश होने पर बम का धमाका मैंने ही कराया था.
पर साथ ही साथ मेरा सलीम के साथ बने रहना जरूरी था, ताकि मुझे सारी बातों का पता चलता रहे! इसीलिए मैंने मदद की पेशकश की और सलीम के साथ हिन्दुस्तान आ गया!
सलीम को जिन्दा रखना जरूरी हो गया था, अब मुझे उसको मारने का इंतजाम करना था! मेरे आदमियों ने एक शराबी के जरिए डोगा तक खबरें पहुंचाकर उसे उकसाया और डोगा सलीम को मारने चल दिया!
डोगा को मैंने जानबूझकर चुना था, क्योंकि उसको पुलिस फोर्स नहीं रोक सकती थी। उसको रोक सकता था तो सिर्फ ध्रुव! साफ था कि ध्रुव सलीम की सुरक्षा में उलझा रहेगा और मैं आराम से अपना काम कर लूंगा! वैसा ही हुआ, ध्रुव ने पहले लिस्ट को ढूंढा और भगवान की भेजी मौत ने उस कोड को डीकोड किया.
फिर मैंने ध्रुव को डोगा नाम के खतरे से उलझा दिया और मेरा काम पूरा हो गया!

मेरा रिमोट!
रिमोट दे दे, ध्रुव
मेरी

ये लो और मेरी को छोड़ दो!
मैं तो कहता हूं कि अब तू मेरा रास्ता काटना छोड़ दे. ये दुनिया ही छोड़ दे.
ओ.के.
एक ही बंदूक गरजी
और पन्द्रह लाशें बिछ गईं-
डोगा! तुम यहां कैसे?
तुम्हारा पीछा कर रहा था! सलीम तक पहुंचने के लिए! पर पहुंच गया उसके गले तक!

तू मुझसे एक बड़ा अपराध कराने आ रहा था! एक देशभक्त को डोगा के हाथों मौत दिला रहा था! तेरा अपराध माफी के लायक तो नहीं है, लेकिन फिर भी डोगा तुमसे एक सौदा करेगा!
रिमोट दे दे और डोगा की माफी ले ले!
बिल्कुल नहीं!
यानी मैं फंस गया हूं! मेरे पास बचने का कोई रास्ता नहीं है!
तो फिर अगर मैं नहीं बचा!
तो फिर तेरा बाप कमिश्नर राजन भी नहीं बचेगा! और न ही बचेगा तेरा प्यारा राजनगर!
अब देख अपनी बाईं तरफ! राजनगर की धरती पर आज एक दूसरा सूरज पैदा होगा! न्यूक्लियर बम का सूरज!
विनाश का बटन दब गया-
लेकिन-
क्लिक
कुछ नहीं हुआ!
क्यों नहीं हुआ?
क्योंकि मैंने तुमको रिमोट देने से पहले इसकी बैटरी निकाल ली थी रोबो!
अच्छी चाल थी! पर रोबो जब प्लान बनाता है...
...तो बैकअप जरूर तैयार रखता है!
एक और रिमोट!
उसकी जरूरत नहीं है, रोबो!
लो, तुम्हारा काम मैं कर देती हूं!
मैडी! ये खिलौना नहीं है! इसमें बैटरी मत लगाओ!
कहीं गलती से बटन दब गया तो बम फट सकता है!

ऐसे?
मैरी! ये तुम क्या...?
क्योंकि वह बम नकली है! सारे पार्ट्स नकली हैं! यहाँ तक कि उसमें प्लूटोनियम नहीं, बल्कि स्टील का सिलेंडर पड़ा है!
घबराओ मत ध्रुव! कुछ नहीं होगा!
नहीं रोबो! वे पार्ट्स तो मैंने तुम्हारे साथ आने से पहले बदल दिए थे!
व्हाट? तूने... तूने मुझे डबल क्रॉस किया! इसीलिए तू मेरे साथ गई थी!
तुम्हारे साथ तो मैं सिर्फ इसलिए गई थी ताकि कोई गड़बड़ हो जाए तो संभाल सकूं!
पर... पर तूने ऐसा क्यों किया? कौन है तू? और बमों से तेरा क्या संबंध है?
मैं अबू सलीम की बेटी हूं! अपने बाबा की बेगुनाही साबित करने के लिए हिन्दुस्तान आई थी! और मैंने तब तक इंतजार किया जब तक तेरे चेहरे से पर्दा न उठ जाए और सच्चाई दुनिया के सामने न आ जाए!
मैं क्रिप्टोग्राफर नहीं हूं, पर अपने बाबा के कोड जानती हूं! सॉरी टू टेल यू ध्रुव, पर मैं जानबूझकर तुम्हारी मोबाइक से टकराई थी!
ताकि तुमसे दोस्ती बढ़ा सकूं! और कोड तोड़ने के बहाने बम ढूंढने के लिए पूरे प्रोजेक्ट में शामिल हो सकूं! ये पूरा नाटक था!
सिवाय उस बात के जो मैंने तुमसे फिल्म देखते वक्त कही थी!
कौन सी बात?
ओ... वो... बम कहां है?
मेरे पास! बाबा की बेगुनाही साबित होते ही मैं उसे तुम्हारे हाथ में सौंप दूंगी!
अब जरा हम भी प्राइवेट मीटिंग कर लें, रोबो!
तूने बटन दबा लिया! अब मुझे ट्रिगर दबा लेने दे!
उससे पहले...

...मैं ट्रिगर दबा दूंगी!
हथियार डाल दो! वर्ना मैं भी रोबो फोर्स की कमांडर रह चुकी हूं! मेरा निशाना चूकता नहीं है!
बेटी!
बेटी मत कहिए मुझे! आपने मेरा इस्तेमाल किया! मेरे जरिए कमिश्नर साहब तक संदेश पहुंचाया!
और पूरे समय मुझे अंधेरे में रखा!
मैं एक डॉन हूं नताशा! और अपने कॉन्ट्रैक्ट को पूरा करने के लिए मुझे जिस किसी को भी धोखा देना होगा तो मैं दूंगा! चाहे वह मेरी बेटी ही क्यों न हो!
मुझे शर्म आती है कि आप मेरे बाप हैं...
...पर मुझे इस बात का गर्व है कि मैं आप की बेटी हूं!
आप एक आदर्श माफिया डॉन हैं!
थैंक्यू, बेटी! फिर मिलेंगे!
मैं नहीं मिलूंगी!
बाय, डैड!
ये तुमने ठीक नहीं किया नताशा! रोबो को उसके किए की सजा तो मिलनी ही चाहिए थी!
अब तुमको भी एक अपराधी की मदद करने के लिए गिरफ्तार किया जा सकता है!
तब तो पूरे पुलिस डिपार्टमेंट को भी गिरफ्तार करना पड़ेगा! और साथ में पुलिस कमिश्नर को भी!
आखिर वे भी तो रोबो की मदद कर रहे थे! चाहे अंजाने में ही सही!

और मुझे गिरफ्तार करने से पहले तो तुमको डोगा को गिरफ्तार करना चाहिए।
वो एक वांटेड क्रिमिनल है मैं नहीं!
पर मैं जानती हूं कि तुम ऐसा नहीं करोगे। क्योंकि अंदर अंदर तुम भी जानते हो कि डोगा जो कुछ भी कर रहा है वह सही है!
अ---सैंडी, पर मुझे एक बात समझ में नहीं आई।
अगर सलीम निर्दोष था तो उसने पुलिस को ये बात पहले क्यों नहीं बताई?
वो तो... वो तो ऐसा है कि मैं...
सफाई देने की जरूरत नहीं है ध्रुव! ये जंग तो दो बेटियों ने लड़ी है!
सलीम के लिए सैंडी ने और रेंबो के लिए मैंने! और ये कोई अपराध नहीं है!
बाबा ये बात प्रशासन को बहुत पहले बता देते।
पर एटम बम के पार्ट्स का पता चलते ही उनको सबसे पहले अपनी जान बचानी थी! इसी-लिए वे देश के बाहर भाग गए।
और जब तक वे सुरक्षित होकर भारतीय अधिकारियों से संपर्क साध पाते तब तक यहां पर बम विस्फोट हो चुके थे और उनका दोष बाबा के माथे पर थोपा जा चुका था।
रही सही कसर तब पूरी हो गई जब बाबा को पता चला कि उनके खिलाफ की कार्यवाही में रेंबो जैसा माफिया डॉन इंवाल्वड है! तब बाबा ने सब अल्लाह के भरोसे छोड़कर चुप रहने का निर्णय ले लिया!
तू अभी मुझसे नहीं मिली है सैंडी! अब ये लड़ाई दो बेटियों के बीच में नहीं दो लड़कियों के बीच में होगी!
और तभी ये तय होगा कि इसका नाम ध्रुव है या ढब है!
लेकिन मैं इस पूरे इंसीडेन्ट से बहुत खुश हूं! क्योंकि अगर ये न होता तो मैं तुमसे कभी न मिल पाती!
माई लक्की डब!
मर गया!